पं० जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद (हरियाणा)

महाविद्यालय गान

महर्षि पराशर जी की तपोभूमि है,
सूरदास जी की जन्मभूमि है।
अरावली की गोद में बसा हुआ है,
ज्ञान भक्ति का अमित रूप है।।
फरीदाबाद का यह महाविद्यालय,
विद्या निधि-निधान है।
नेहरू महाविद्यालय है यह,
हरियाणा की शान है, कोटि-कोटि प्रणाम है।।

विद्वानों की परिचर्चाएँ और कवि सम्मेलन,
पर्यावरण आत्म संवेदन, मातृशक्ति का हो संवर्धन।
नव-चितंन की रसधारा से, गुंजित तेरा विधान है,
नेहरू महाविद्यालय है यह .....।।

इस वसुधा के हर कण-कण में ज्ञान-पुंज विद्यमान है,
कला क्रीडा विज्ञान वाणिज्य सब में उच्च स्थान है,
ज्ञान-ध्वजा फहराते रहना इसका लक्ष्य महान है।।
नेहरू महाविद्यालय है यह .....।।

पं० जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय
फरीदाबाद (हरियाणा)

महाविद्यालय गान

महर्षि पराशर जी की तपोभूमि हैं,
सूरदास जी की जन्मभूमि हैं।
अरावली की गोद में बसा हुआ है,
ज्ञान भक्ति का अमित रूप है।।
फरीदाबाद का यह महाविद्यालय,
विद्या निधि-निधान है।
नेहरू महाविद्यालय है यह,
हरियाणा की शान हैं, कोटि-कोटि प्रणाम हैं।।

विद्वानों की परिचर्चाएँ और कवि सम्मेलन,
पर्यावरण आत्म संवेदन, मातृशक्ति का हो संवर्धन।
नव-चितंन की रसधारा से, गुंजित तेरा विधान है,
नेहरू महाविद्यालय है यह .....।।

इस वसुधा के हर कण-कण में ज्ञान-पुंज विद्यमान हैं,
कला क्रीडा विज्ञान वाणिज्य सब में उच्च स्थान है,
ज्ञान-ध्वजा फहराते रहना इसका लक्ष्य महान है।।
नेहरू महाविद्यालय है यह .....।।